RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार, 07 नवंबर 2022 वर्ष 04 अंक 173 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

शिवसेना की शाखा पर चला प्रशासन का बुलडोजर !

सुभाष भोईर बोले- शिंदे गुट जान-बूझकर परेशान कर रहा है...

ठाणे : शिवसेना में एकनाथ शिंदे के बगावत के बाद 40 विधायक और सांसद भी उनके साथ गए। इससे राज्य में शिवसेना में बड़ा बंटवारा हो गया। लेकिन इसके बावजूद दोनों गुटों के बीच का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिवा परिसर में शिवसेना शाखा पर महानगरपालिका प्रशासन द्वारा तोड़क कार्रवाई किये जाने को लेकर पूर्व विधायक सुभाष भोईर ने शिंदे गुट पर निशाना साधा है और इसे काला दिन करार दिया। कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के दहिसर गांव में शिवसेना की पुरानी शाखा को प्रशासन ने अवैध बताते हुए गुरुवार को बुलडोजर चल दिया। जिससे ठाकरे गुट के शिवसेना कार्यकताओं ने इस पर नाराजगी जताई है। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के कार्यकताओं का कहना है कि हमारी शाखा पिछले 40 साल से सर्वे नंबर 63 में है। इसके तहत केंद्र सरकार का डाकघर था। बगल में ग्राम पंचायत कार्यालय और उसके ऊपर सरपंच कार्यालय है। फिर भी शिवसेना की ही शाखा तोड़ी गई। यह एक प्रकार से राजनीति से प्रेरित है। शिवसैनिकों का कहना है कि उस समय वे शिवसैनिक थे और अब शिवसैनिक नहीं, यह राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण है।

पूर्व विधायक और ठाकरे गुट के जिला संपर्क प्रमुख सुभाष भोईर ने शिंदे गुट पर हमला बोला है। भोईर का कहना है कि शिवसेना कार्यकताओं ने शाखा प्रमुखों ने इन शाखाओं की स्थापना की थी। इन सभी शाखाओं को उनके द्वारा तब आधिकारिक माना जाता था जब वे मूल शिवसेना में थे और इसी शाखा में बैठकर आम कार्यकर्ता से मंत्री और मुख्यमंत्री बने और बेटे को सांसद बनाए और आज उन्हें आज यह शाखा अनौपचारिक लग गया। मुझे लगता है कि यह एक तरह की राजनीति है।

भाजपा और शिंदे गुट के करीब आ रहे राज ठाकरे...!

कई मौकों पर मिले संकेत, क्या बदलेगी राज्य की राजनीति?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में बदलते राजनीतिक समीकरणों के साथ राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की नजदीकियां भाजपा और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट की ओर बढ़ती दिखाई दे रही हैं। तीनों दलों के नेता कई मौकों पर एक दूसरे का समर्थन करते दिखें हैं। वहीं मुंबई निकाय चुनावों से पहले तीनों नेताओं की नजदीकियों को एक बड़ी रणनीति के तौर पर देखी जा रही है। वहीं उद्धव गुट वाली शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के महाविकास अघाड़ी को कड़ी टक्कर देने के लिए भाजपा भी मनसे को अपने करीब लाना चाहती है। कुछ ऐसे मौके भी आए जब तीनों नेताओं को एक मंच पर देखा गया। पिछले महीने, राज ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखा था, जिसमें उनसे शिवसेना के दिवंगत विधायक रमेश लटके की पत्नी के पक्ष में अंधेरी पूर्व विधानसभा उपचुनाव से भाजपा के उम्मीदवार को वापस लेने का आग्रह किया गया था। भाजपा ने बाद में अपने उम्मीदवार को वापस ले लिया था, जिसके लिए राज ठाकरे ने फडणवीस को धन्यवाद दिया था।

राज ठाकरे ने पत्र लिखकर फडणवीस को वफादार बताया था

महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद, भाजपा और शिंदे गुट के नेताओं ने राज ठाकरे से अलग-अलग मौकों पर मुलाकात की। शिंदे और फडणवीस दोनों ने मनसे प्रमुख से अलग-अलग मुलाकात भी की थी। राज ठाकरे ने फडणवीस को एक पत्र भी लिखा, जिसमें उन्होंने राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करके अपनी पार्टी के प्रति वफादारी और प्रतिबद्धता की मिसाल कायम करने के लिए उनकी सराहना की।

दिवाली की पूर्व संध्या पर तीनों नेताओं की मुलाकात...!

बता दें कि दिवाली की पूर्व संध्या पर राज ठाकरे की पार्टी मनसे के दीपोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस पहुंचे थे जिसके बाद से ही सियासी अटकलें और तेज हो गईं। तीनों एक साथ मनसे प्रमुख के आवास से शिवाजी पार्क में कार्यक्रम स्थल पर गए थे।

उद्धव गुट की ऋतुजा लटके मुंबई के अंधेरी ईस्ट से जीतीं

दूसरे नंबर पर रहा नोटा...!

मुंबई : मुंबई की अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट की ऋतुजा लटके ने जीत हासिल की है। उन्होंने भारी मतों से जीत दर्ज की है। ऋतुजा लटके को कुल 66 हजार 247 वोट पड़े। हालांकि, सबसे दिलचस्प बात ये है कि दूसरे नंबर पर नोटा को वोट पड़े, जिसकी खूब चर्चा हो रही है। नोटा के नाम पर 12 हजार 776 वोट पड़े, जिससे छह अन्य निर्दलीय उम्मीदवार बहुत पीछे रह गए। तीसरे नंबर पर निर्दलीय राजेश त्रिपाठी रहे। उन्हें 1 हजार 569 वोट मिले हैं। मुंबई महानगरपालिका चुनाव से पहले यह जीत ठाकरे गुट के लिए उत्साह बढ़ाने वाली है। इसकी बड़ी वजह यह है कि शिवसेना में टूट के बाद शिवसेना का नाम और इसका चुनाव चिन्ह धनुषबाण चला गया था। उद्धव ठाकरे के गुट का नाम शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे रखा गया और नया चुनाव चिन्ह मशाल था। कम समय में एक नए चुनाव चिन्ह के साथ ठाकरे गुट ने यह चुनाव जीत लिया है।

बीजेपी ने अपने उम्मीदवार की अर्जी वापस ली थी

हालांकि, बीजेपी के चुनावी दौड़ से अपने उम्मीदवार का नाम वापस लेने से यह चुनाव महज औपचारिकता भर रह गया था। बीजेपी ने दिवंगत विधायक रमेश लटके की विधवा ऋतुजा लटके के समर्थन में अपने उम्मीदवार की अर्जी वापस ले ली थी। वहीं, शिंदे गुट ने पहले ही बीजेपी उम्मीदवार के समर्थन में अपने उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया था। शिवसेना के रमेश लटके ने अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट का दो बार प्रतिनिधित्व किया था। साल 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना ने 56 सीट पर जीत हासिल की थी। इस साल मई में रमेश लटके के निधन के कारण यह संख्या घटकर 55 रह गई थी।

शिवसेना में टूट के बाद यह पहला चुनावी मुकाबला

गौरतलब है कि जून में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 40 शिवसेना विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया था, जिसके बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार गिर गई थी। इसके बाद शिंदे बीजेपी के साथ गठबंधन में मुख्यमंत्री बने। एमवीए सरकार के गिरने के बाद महाराष्ट्र में यह पहला चुनावी मुकाबला है। एमवीए के घटक दल-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस, दोनों ने ऋतुजा लटके की उम्मीदवारी का समर्थन किया था।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बदहाली की शिक्षा...!

हालात इशारा कर रहे हैं कि देश में शैक्षिक ढांचा लगातार इंडिया और भारत में तब्दील होता जाता रहा है। एक तरफ संपन्न तबके, पूंजीपतियों, नेताओं व नौकरशाहों के बच्चे महंगे स्कूलों में शिक्षित व प्रशिक्षित हो रहे हैं, वहीं सरकारी स्कूलों की बदहाली में विस्तार जारी है। राजनीतिक भ्रष्टाचार की तपिश से भी शिक्षा की कोंपलें मुरझायी ही हैं। शिक्षा मंत्रालय की स्कूल एजुकेशन पर हालिया रिपोर्ट तो कम से कम यही बताती है। पिछले दिनों शिक्षा मंत्रालय के यूनीफाइड डिस्ट्रिक्ट इनफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस यानी यूडीआईएसई+ की 2021-22 के लिये जारी वार्षिक रिपोर्ट के आंकड़े तो कम से कम यही कहते हैं। एक साल में बीस हजार स्कूलों का बंद होना गंभीर चिंता की बात है। ये वे स्कूल हैं जिनमें ज्यादातर निम्न आय वर्ग व वंचित समाज के लोग उम्मीदों से पहुंचते हैं। निस्संदेह, यह स्थिति सत्ताधीशों की लोक-कल्याणकारी दायित्वों से मुक्त होने की कहानी भी कहती है। उससे भी ज्यादा चिंता की बात यह कि इस दौरान निजी स्कूलों के एक लाख शिक्षकों ने नौकरी गंवाई है। यदि इस सर्वेक्षण के आंकड़ों को सही मान भी लिया जाये तो भी शैक्षिक जगत की गंभीर विसंगति उजागर ही होती है। निस्संदेह, कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया के शैक्षिक ढांचे की चूलें हिला दी। पूरी दुनिया में गरीब तबके के करोड़ों विद्यार्थी, खासकर ज्यादातर लड़कियां फिर कभी स्कूलों का मुंह नहीं देख पाएंगी। उनके परिवारों पर महामारी के दौरान जीविका का संकट कहर बनकर बरपा है। निस्संदेह उनकी प्राथमिकता पहले रोटी रही है, शिक्षा उनके लिये गौण विषय रहा है। इस रिपोर्ट में भारतीय शैक्षिक ढांचे की हकीकत भी उजागर हुई है। रिपोर्ट बताती है कि सर्वेक्षण में शामिल देश के करीब 53 फीसदी स्कूलों में कंप्यूटर की सुविधा नहीं थी। वहीं 66 फीसदी स्कूलों में इंटरनेट नहीं पहुंचा। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि कोरोना संकट के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई के दावे कितने खोखले रहे होंगे? इन बच्चों की पढ़ाई का महामारी काल में कितना नुकसान हुआ होगा? क्या ये बच्चे भविष्य में निजी स्कूलों के छात्रों से मुकाबला कर पायेंगे?

रिपोर्ट के अन्य कई आंकड़े शैक्षिक जगत में विशाल खाई की असलियत उघाड़ देते हैं। रिपोर्ट बताती है कि बिहार के 89 फीसदी स्कूलों में इंटरनेट की सुविधा नहीं है। करीब 83 फीसदी स्कूलों में प्रोजेक्टर से पढ़ाई की व्यवस्था नहीं है। देश के 23 प्रतिशत स्कूलों में खेल के मैदान नहीं हैं। करीब 83.3 फीसदी स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है। आधुनिक शिक्षा से कोसों दूर इन स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों का भविष्य क्या होगा, जहां दस फीसदी से अधिक स्कूलों में बिजली नहीं पहुंची है। वहीं करीब ढाई फीसदी स्कूलों में छात्राओं के लिये शौचालय नहीं हैं। शिक्षा की इन बुनियादी जरूरतों के बिना बच्चे किन हालात में पढ़-लिख रहे हैं और क्या पढ़-लिख रहे हैं, उसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। कह सकते हैं कि ये स्कूल बीमार भविष्य के वाहक बन गये हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महानगरों में रहना हुआ महंगा, मुंबई में औसत किराए में 29% की हुई बढ़ोतरी

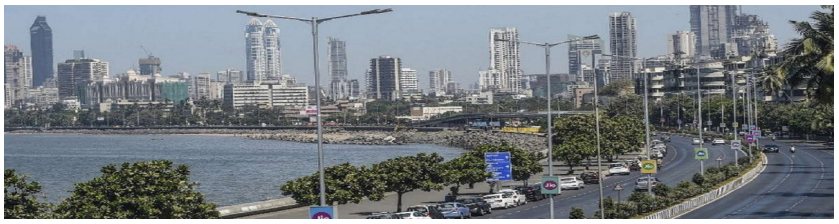

मुंबई : पिछले साढ़े तीन सालों में मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के औसत किराए में 29% तक की वृद्धि हुई है. क्रेडाई-एमसीएचआई और डेटा एनालिटिक्स कंपनी सीआरई मैट्रिक्स के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है. सर्वेक्षण में कहा गया है कि दिसंबर 2018 की तुलना में, एमएमआर के 80 से अधिक माइक्रो-मार्केट में औसत मासिक किराया अगस्त 2022 में 4 फीसदी से 29 फीसदी के बीच बढ़ गया. एमएमआर प्रॉपर्टी रेंटल ट्रैकर रिसर्च ने मुंबई, पालघर, रायगढ़ और ठाणे में ग्रेड-ए स्ट्रक्चर्स में दो-बेडरूम अपार्टमेंट के लिए हाउसिंग रेंटल में ट्रेंड्स की जांच की, जो 7 से 8 साल से अधिक पुराने नहीं हैं.

पिछले 2 सालों में औसत मासिक किराए में 8-18 फीसदी की वृद्धि

सितंबर में एनारॉक की एक रिपोर्ट के अनुसार, 7 प्रमुख शहरों में लक्जरी आवासीय कॉलोनियों के कैपिटल वैल्यू में 2-9 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि पिछले 2 सालों में औसत मासिक किराए में 8-18 फीसदी की वृद्धि हुई. रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली-एनसीआर, एमएमआर, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे के अपस्केल कॉलोनियों में लग्जरी रेजिडेंशियल प्रॉपर्टीज की मांग बढ़ी है.

वर्ली का किराया-2 लाख प्रति माह से बढ़कर -2.35 लाख प्रति माह

2,000 वर्ग फुट वाले लग्जरी आवासों के लिए, मुंबई के वर्ली का किराया -2 लाख प्रति माह से बढ़कर -2.35 लाख प्रति माह हो गई है. कोविड से पहले, 2 साल की लक्जरी किराए की दरों में वार्षिक वृद्धि 5-7% के बीच थी. आंकड़ों के अनुसार, जेपी नगर, बेंगलुरु में औसत मासिक किराया 2022 में 2,000 वर्ग फुट के साथ 13% बढ़कर 52,000 रुपये प्रति फ्लैट हो गया, जो 2020 में 46,000 रुपये था. हैदराबाद के हाईटेक सिटी में औसत मासिक किराया 2,000 वर्ग फुट वाले प्रत्येक फ्लैट के लिए 11 फीसदी बढ़कर 59,000 हो गया. कैपिटल प्राइस 7 फीसदी बढ़कर $6,100 प्रति वर्ग फुट हो गया.

चेन्नई के अन्ना नगर में औसत मासिक किराया 13 फीसदी बढ़ा

2,000 वर्ग फुट वाले प्रीमियम अपार्टमेंट के लिए, चेन्नई के अन्ना नगर में औसत मासिक किराया 56,000 रुपये से 13 फीसदी बढ़कर 63,000 रुपये हो गया.

कैपिटल प्राइस 11,300 रुपये प्रति वर्ग फुट से 5 फीसदी बढ़कर 11,850 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गया.

बच्ची से बलात्कार के मामले में एक व्यक्ति को 10 साल के कठोर कारावास की सजा...

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने 2018 में पांच वर्षीय एक बच्ची से बलात्कार के मामले में एक व्यक्ति को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश वी. वी. वीरकर ने शनिवार को अपने आदेश में 36 वर्षीय आरोपी को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया और उस पर कुल 25,000 रुपये का जुमार्ना लगाया। विशेष लोक अभियोजक रेखा हिवराले ने कहा कि न्यायाधीश ने आरोपी द्वारा बच्चे पर किए गए अपराध को गंभीरता से लिया और कहा कि अभियोजन पक्ष ने आरोपी के खिलाफ सभी आरोपों को साबित किया। अभियोजक ने अदालत को बताया कि आरोपी और पीड़िता ठाणे के भिवंडी शहर में एक ही इलाके में रहते थे। पीड़िता, उसका भाई और बहन 14 अक्टूबर, 2018 को प्रसाद लेने के लिए एक मंदिर गए थे।

अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि आरोपी पीड़िता को कोल्डड्रिंक दिलाने के बहाने अपने साथ सुनसान जगह पर ले गया और उससे दुष्कर्म किया। बाद में पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने माता-पिता को दी, जिन्होंने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार इसके बाद, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया।

आलिया भट्ट -रणबीर कपूर के घर गूंजी किलकारियां, नन्हीं परी ने रखे कदम

बॉलीवुड फिल्म स्टार आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के घर में किलकारियां गूंज उठी हैं। आज सुबह ही अदाकारा आलिया भट्ट को मुंबई के अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां अदाकारा ने एक बेटी को जन्म दिया है। सामने आ रही ताजा मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक बेटी के पैरेंट्स बने हैं। इस खबर के सामने आते ही इस स्टार कपल के फैंस में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। हालांकि अभी तक खुद इस स्टार कपल के परिवार की ओर से ये जानकारी साझा नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से ही बॉलीवुड लाइफ को ये खबर पता चली है। जिसके बाद हमें भी इन खबरों के आधिकारिक ऐलान का इंतजार है। हालांकि सोशल मीडिया पर बज है कि ये स्टार कपल एक बेटी के पैरेंट्स बन चुके हैं।

इसी साल शादी के बंधन में बंधे थे रणबीर कपूर-आलिया भट्ट

बता दें कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने इसी साल शादी रचाई है। दोनों ने 14 अप्रैल 2022 में एक दूसरे संग सात फेरे लिए। इनकी शादी एक इंटीमेट तरीके से हुई। जहां दोनों स्टार कपल ने अपने घर की छत पर ही पारंपरिक तरीके से शादी रचाई थी। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने झटपट शादी रचाई। जिसकी वजह ये भी माना जाता है कि अदाकारा आलिया भट्ट शादी से पहले ही प्रेग्नेंट हो चुकी थी। शादी के 2 महीने के अंदर ही अदाकारा आलिया भट्ट ने रणबीर कपूर संग अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद इन रिपोर्ट्स को हवा मिली।

बहन कपड़े तो पहन.., उर्फी जावेद पर भड़के कॉमेडियन सुनील पाल, कहा- न्यूज में रहने के लिए होती हैं...

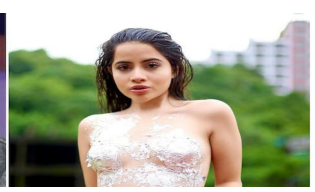

सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद एक बार फिर से चर्चा में हैं। लेकिन इस बार वह अपने कपड़ों और बयानों को लेकर नहीं बल्कि एक महिला को एक्सपोज करने को लेकर सुर्खियों में हैं। ये वही महिला है जो उर्फी के खिलाफ फतवा जारी करना चाहती थी। इन सबके बीच पहली बार सुनील पाल ने उर्फी जावेद को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ कहा है। तो चलिए जानते हैं उर्फी को लेकर सुनील पाल का क्या नजरिया है। उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर कभी टॉपलेस हो जाती हैं तो कभी अजीबोगरीब कपड़े पहनकर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। उनकी ऐसी हरकतों के लिए सोशल मीडिया पर उर्फी को खूब ताने सुनने को मिलते हैं, लेकिन तानों का उनपर कोई असर नहीं होता है। इन सबके बीच कॉमेडियन सुनील पाल भी उर्फी की हरकतों पर भड़कते नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपना एक वीडियो जारी किया और उर्फी जावेद को खूब खरी-खोटी सुनाया है।

सुनील पाल ने कहा- ह्यक्या उर्फी जावेद पागल हो गई हैं, मैं उर्फी को बहुत दिन से देख रहा हूं, मुझे लगता है किवो चाहती हैं कि उनके खिलाफ कोई बातें बनाए तो वह चर्चा में आएं, भले ही वह गैर कानूनी क्यों न हो। कम कपड़े पहन-पहन कर उर्फी जावेद नाम रख लिया और हमारे पवित्र मुस्लिम नाम से वह जिस तरीके से खिलवाड़ कर रही हैं, वो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है'।

नाबालिग पत्नी से जबरन यौन संबंध दुष्कर्म माना जाए...

दिल्ली के एलजी ने गृह मंत्रालय को लिखी चिट्ठी

दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने गृह मंत्रालय से 15 से 18 वर्ष के बीच की नाबालिग पत्नी के साथ बनाए गए जबरन यौन संबंध को दुष्कर्म की श्रेणी में रखने की सिफारिश की है। इसे लेकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना के माध्यम से दिल्ली पुलिस ने गृह मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। इस पत्र में सक्सेना ने गृह मंत्रालय से आईपीसी की धारा 375 के अपवाद 2 को खत्म करने की सिफारिश की गई है। अपवाद 2 में यह प्रावधान किया गया है कि यदि 15 से 18 वर्ष के बीच की लड़की की शादी हो जाती है, तो उसका पति उसके साथ गैर-सहमति से यौन संबंध बना सकता है और आईपीसी के तहत उसे दंडित करने का प्रावधान नहीं है।

अगर गृह मंत्रालय द्वारा इस सिफारिश को लागू किया जाता है और आईपीसी में संशोधन किया जाता है, तो 15 से 18 वर्ष के बीच की पत्नी के साथ गैर-सहमति से यौन संबंध बलात्कार की श्रेणी में आएगा और आईपीसी के तहत दंडनीय होगा। इसमें पति के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर होगी। यह पॉक्सो एक्ट के बीच की विसंगति को भी दूर करेगा। दिल्ली पुलिस एवं कानून विभाग की तरफ से यह पत्र गृह मंत्रालय द्वारा भेजे गए एक पत्र के जवाब में भेजा गया है। दिल्ली हाईकोर्ट में दायर की गई एक याचिका के चलते इस विषय पर दिल्ली सरकार की राय मांगी गई थी।

याचिका में कहा गया है कि आईपीसी की धारा 375(2) को खत्म किया जाए क्योंकि यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन करती है। यह पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है, जो एक बच्चे को 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है। चूंकि विषय ह्लआपराधिक कानूनह्व समवर्ती सूची में है और राज्य / केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा लागू किया गया है, इसके दूरगामी परिणामों के मद्देनजर गृह मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों / केंद्र शासित प्रदेशों से विचार / टिप्पणियां मांगी थीं।

फर्जी आधार पर भारत में डाक्टर बना नेपाली नागरिक, महाराष्ट्र से बनवाया आधार कार्ड...!

ठाणे : माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज में फर्जी आधार कार्ड पर नेपाल निवासी ने प्रोफेसर की नौकरी हथियाने का प्रयास किया। मामला खुलता देख उसने किनारा कस लिया है। फिलहाल नेपाल निवासी राजकीय मेडिकल कालेज आजमगढ़ के एनाटामी विभाग में संविदा पर एसोसिएट प्रोफेसर पद पर कार्यरत है। शासन स्तर पर इस मामले की जांच शुरू हो गई है। इस प्रकरण का एक आरटीआई में पदार्फाश हुआ है। यह आधार कार्ड महाराष्ट्र से बनवाया गया है। यह मामला मेडिकल कालेज के एनाटामी (शारीरिक संरचना) विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर की नियुक्ति से जुड़ा है। वर्ष 2021 में मेडिकल कालेज ने एनाटामी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर पर नियुक्ति से संबंधित विज्ञापन प्रकाशित किया था।

एक ही सड़क पर एक घंटे में 200 मीटर दूरी पर हुए 2 एक्सीडेंट...!

गुजरात : गुजरात को जोड़ने वाली छोटा डूंगरा-जालिपुरा रोड (सिंगल पट्टी) पर रविवार तड़के दो हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। करीब एक घंटे के अंतराल में 200 मीटर दूरी के बीच हुए दो सड़क हादसों में चार युवा मौतों के अलावा एक महिला सहित तीन जने घायल भी हुए, जिनका यहां महात्मा गांधी जिला अस्पताल में उपचार जारी है। दुर्घटनाएं तड़के ठिठुरन वाली सर्दी के बीच हुई।

पहला हादसा दो बाइक के टकराने से हुआ। यहां एक बाइक पर चार युवक थे, जबकि दूसरी बाइक पर दो युवक सवार थे। वहीं दूसरा हादसा इसी रोड पर हुआ जहां बाइक सवार सड़क किनारे खड़े वाहन में जाकर घुस गए। दर्दनाक घटनाओं में पुलिस ने तत्परता दिखाई और सभी घायलों को एंबुलेंस 108 से अस्पताल पहुंचाया। हादसे में कुछ ने मंजिल तक पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया, जबकि कुछ हॉस्पिटल में पहुंचने के बाद मरे। दुर्घटनाएं कसारवाड़ी थाने से करीब 12 डट दूर हुई।

थानाधिकारी उक कालूराम मीणा ने बताया कि छोटा डूंगरा से जालिमपुरा को जोड़ने वाले सिंगल पट्टी रोड पर पहला हादसा सुबह करीब साढ़े 4 बजे हुआ। इसमें एक बाइक पर पंडवाल ऊंकार गांव निवासी जोहन (20) पुत्र लासू वाल्मीकि, विजय (17) पुत्र दिला एवं दो अन्य साथी सवार थे। ये सभी कुशलगढ़ में किसी शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। तभी युवाओं वाली बाइक की जालिमपुरा से सबलपुरा की ओर जा रही बाइक से खोरा घाटी में भिड़ंत हो गई। सामने बाइक पर सबलपुरा निवासी नरबेश (22) पुत्र पारसिंग मईड़ा, उसकी पत्नी और पुष्पेंद्र नाम का युवक सवार था। बाइक के बीच जबरदस्त भिड़ंत हुई। इनमें दोनों बाइक पर सवार जोहन, विजय व नरबेश की मौत हो गई। घायल अंकित (14) पुत्र ढकला वाल्मीकि, बुलेट (18) पुत्र इलाश वाल्मीकि सहित कुल तीन यहां अस्पताल में भर्ती हैं।

कुछ देर बाद हुआ दूसरा हादसा!

पहली घटना से करीब 200 मीटर दूरी पर दूसरा सड़क हादसा हुआ। इसमें जालिमपुरा निवासी प्रभुलाल (22) पुत्र जोहरेंग गरासिया बाइक पर इसी रोड पर आते हुए सड़क किनारे खड़े चौपहिया वाहन से भिड़ गए। हादसे में प्रभुलाल की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे कैलाश पुत्र कड़वा का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

खाने के तेल का टैंकर पलटा, मदद करने की जगह 40 लाख रुपए का तेल लूट ले गई जनता

भौचक्का खड़ा रह गया चालक

सिरोही : राजस्थान के सिरोही जिले में आज दोपहर तेल से भरा हुआ एक टैंकर पलट गया। टैंकर में 30 हजार लीटर के करीब मूंगफली का तेल था। यह तेल सिरोही से होता हुआ अलवर की एक आयल मिल में भेजा जा रहा था, लेकिन सिरोही के ब्यावर पिंडवाड़ा फोरलेन रोड पर यह हादसा हो गया। ब्यावर पिंडवाड़ा फोरलेन पर स्थित अरठवाडा गांव से होकर गुजरने के दौरान अचानक टैंकर के आगे मवेशी आ जाने से टैंकर चालक अपना संतुलन खो बैठा और रास्ते में ही पलटने के कारण रिसाव होने लगा।

मौके पर पहुंची पुलिस ने हटवाया जाम

पोसालिया पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि कुछ देर के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो क्रेन को बुलाया गया। क्रेन ने लोहे की मोटी जंजीर से टैंकर को सीधा करने की कोशिश की लेकिन जंजीर टूट गई । बाद में एक स्थानीय किसान ने अपनी जेसीबी की मदद से टैंकर को सीधा किया , उसके बाद जाकर जहां जहां तेल गिरा था वहां मिट्टी की ट्रॉली खाली करवाई गई ।

पुलिस ने बताया कि फोरलेन पर हुए इस हादसे के कारण करीब 2 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। टैंकर चालक ने पुलिस को बताया कि करीब 30 हजार लीटर मूंगफली का तेल अलवर की ऑयल मिल में लेकर जाना था। आज शाम को यह तेल अलवर पहुंचता लेकिन इससे पहले बड़ा हादसा हो गया । तेल की कीमत करीब 40 लाख रुपए बताई गई है।

बाल्टी, मटकी और ड्रम लेकर लूटने पहुंचे लोग

मौके पर पहुंची पोसालिया पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि गांव के नजदीक यह टैंकर पलट गया। टैंकर पलटने से टैंकर के दोनों ढक्कन खोल गए और उसमें से तेल गिरना शुरू हो गया। तेल बहने की सूचना जब आसपास के गांव में रहने वाले लोगों को लगी तो लोग बाल्टी , ड्रम ,मटकी, चरी, गिलास लेकर तेल लूटने के लिए आ गए। टैंकर चला रहे टैंकर चालक रविनेश ने बताया कि वह लोगों से ऐसा नहीं करने के लिए कहता रहा और मदद मांगता रहा लेकिन लोग तेल लूटने में लगे रहे ।

शिवसेना ठाकरे समूह ने शहर पुलिस स्टेशन में मोर्चा और धरना प्रदर्शन किया...!

महाराष्ट्र : शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने पालक मंत्री गुलाब राव पाटील पर केस दर्ज करने की मांग को लेकर सिटी पुलिस स्टेशन तक मोर्चा निकाला इस बीच महिलाओं ने मंत्री पाटिल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। राज्य के जल आपूर्ति और स्वच्छता मंत्री और जलगांव जिले के पालक मंत्री गुलाबराव पाटिल द्वारा आपत्तिजनक किये जाने के विरोध में रविवार 6 नवंबर को दोपहर 12 बजे मोर्चा निकाला जिस्म में पुलिस को दिए गए शिकायती ज्ञापन में कहा है की शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी की उपनेता सुषमा अंधारे के बारे में आपत्तिजनक बयान दिया है। जिससे समस्त महिलाओ का अपमान हुआ है, मंत्री गुलाबराव पाटिल के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराने की मांग को लेकर नगर थाने पर धरना दिया। इसके बारे में

अधिक जानकारी यह है कि शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी ने जलगांव जिले में महा प्रबोधन यात्रा का आयोजन किया। उपनेता सुषमा अंधारे ने धरणगांव, पाचोरा, एरंडोल में जनसभाओं को सम्बोधित किया। इन जन सभाओ में अंधारे ने में मंत्री गुलाबराव पाटिल, विधायक किशोर पाटिल और विधायक चिमणराव पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र में जमकर उद्धव ठाकरे से गद्दारी करने के आरोप लगाया कि बागी विधायक शिंदे समूह में शामिल हो गए और फिर सत्ता में लौट आए। इन आरोपों से सियासी माहौल गर्म होने के बाद मुक्ताईनगर विधायक चंद्रकांत पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र में सुषमा अंधारे की जनसभा पर रोक लगा दी गई।

पुलिस स्टेशन में विरोध प्रदर्शन किया गया

इस बीच मंत्री गुलाबराव पाटिल ने सुषमा अंधारे के बारे में आपत्तिजनक बयान देकर सभी महिलाओं का अपमान किया। इस बयान के विरोध में रविवार 6 नवंबर को रात 11 बजे शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी ने धरना दिया। अभिभावक मंत्री गुलाबराव पाटिल के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग को लेकर नगर पालिका से विरोध मार्च निकाला गया और शहर के पुलिस स्टेशन में जाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। नगर पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक दिलीप भागवत ने मुलाकात कर चर्चा की। इस अवसर पर महापौर जयश्रीताई महाजन, शिवसेना जिला अध्यक्ष विष्णु भंगाले, नगर प्रमुख शरद तायडे सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

ब्लैकमेलिंग से त्रस्त होकर प्रेमी ने प्रेमिका की हत्या कर दी

महाराष्ट्र : प्रेमिका ने अपने पिता के नाम पर रही संपत्ति को अपने नाम पर करने के लिए मदद करने के लिए प्रेमी पर दबाव बनाया। उसे बलात्कार के मामले में फंसाने की धमकी भी दी। उससे पीछा छुड़ाने के लिए युवक ने प्रेमिका की हत्या करने की नीयत से उसका अपहरण कर लिया। उसके बाद उसकी हत्या कर नदी में फेंक दी। यह घटना 3 अगस्त 2022 को हुई थी और 5 नवंबर को मामला दर्ज किया गया। मामला दर्ज व्यक्ति का नाम रामदास पोपट तांबे (उम्र 30, निवासी भोसरी, पुणे) है। लापता लड़की की पहचान चंद्रमा सीमांचल मुनि (उम्र 28, उड़ीसा निवासी) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पुलिस नायक लक्ष्मण दामसे ने भोसरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। चन्द्रमा ने उसके पिता के नाम पर दो घरों में से एक को उसके नाम पर करने और उनसे पैसे और आभूषण हासिल करना चाहती थी। इसके लिए उसने आरोपी के नाम का इस्तेमाल करने की कोशिश की। आरोपित इसके लिए तैयार नहीं था इसलिए उनके बीच विवाद बढ़ गया।

चन्द्रमा ने धमकी दी कि अगर आरोपी ने उसका सहयोग नहीं किया तो वह उसे यौन शोषण के मामले में फंसा देगी। उससे हमेशा के लिए छुटकारा पाने के लिए, वह उसे मारने के इरादे से भोसरी से केलगांव ले गया। अभियोजन पक्ष में कहा गया है कि नदी तल में इसका निस्तारण किया गया। इसके बाद आरोपी ने भोसरी पुलिस स्टेशन पहुंच कर खुद पुलिस को इस पूरी घटना की जानकारी दी। अदालत ने आरोपी को पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है। पुलिस गुमशुदा लड़की की तलाश में जुटी है।

सिडको को लेकर बीजेपी और शिंदे गुट आमने-सामने...!

महाराष्ट्र : सिडको प्रशासनिक कार्यालय को बंद करने को लेकर बीजेपी और शिंदे गुट की शिवसेना में मतभेद होने की बात सामने आई है। विधायक सीमा हिरे ने जहां कार्यालय बंद करने के निर्णय का स्वागत किया, वहीं शिंदे समूह के नगर अध्यक्ष प्रवीण तिदमे ने स्पष्ट किया कि वे प्रशासनिक कार्यालय को स्थानांतरित करने का विरोध करते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यालय स्थानांतरित होने से नागरिकों की परेशानी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सिडको प्रशासनिक कार्यालय को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया, ऐसे में आदेश मिलने के बाद बीजेपी और उद्धव बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना में इसका श्रेय लेने की लड़ाई शुरू हो गई है। हालांकि शनिवार को मुख्यमंत्री शिंदे समूह के अध्यक्ष प्रवीण तिदमे ने कार्यालय बंद करने का विरोध किया था। चूंकि सिडको

की आय लगभग पचास हजार है, इसलिए संपत्ति के संबंध में काम करने के लिए किसी को सिडको प्रशासनिक कार्यालय जाना पड़ता है। आय के हस्तांतरण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना, अभिलेखों में अभिलेखन, महानगरपालिका की अनुमति के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना, आय के पट्टा विलेख के पंजीकरण के लिए दस्तावेज उपलब्ध कराना, अभिलेखों में उत्तराधिकारियों का पंजीकरण, ऋण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र, भूमि उपयोग में परिवर्तन, वास्तविक प्रतियां प्राप्त करना, आय संबंधी दस्तावेज सिडको कार्यालय के माध्यम से प्राप्त होते हैं, ऐसे में अगर कार्यालय बंद होगा, तो ऐसे दस्तावेज प्राप्त करना मुश्किल हो जाएगा।

राज्य के अन्य शहरों में कार्यालय अभी-भी चालू

केवल नियोजन प्राधिकरण की शक्तियां महानगरपालिका को सौंपी गई हैं, और महानगरपालिका के पास भवन अनुज्ञा पत्र, अधिभोग प्रमाण पत्र जारी करने और अतिक्रमण से संबंधित कार्यों को देखने का अधिकार है। राज्य के अन्य शहरों में कार्यालय अभी-भी चालू हैं। सिडको को प्लॉट किसने दिए, उन्हें अब तक मुआवजा नहीं मिला है। सरकार की ओर से सिडको प्रशासनिक कार्यालय को बंद करने का आदेश पर न्यायालय में दावा दायर किया जाना अन्यायपूर्ण होगा और मुख्यमंत्री को दिए गए ज्ञापन में आदेश को रद्द करने और कार्यालय जारी रखने का अनुरोध किया गया है।

पुणे-मुंबई राजमार्ग पर ऑटो रिक्शा और बस के हादसे में 2 की मौत, 3 घायल

महाराष्ट्र : पुणे-मुंबई पुराने राजमार्ग पर खंडाला बोर घाट के सायमल में एक रिक्शा और बस के बीच हुए भीषण हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के बाद राजमार्ग पर ट्रैफिक जाम लगा रहा, जिसे हटाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रिक्शा संख्या (एमएच-14-एचएम-5296) में रेलवे कर्मचारी लोनावला के वेट एंड जॉय वाटर पार्क में छुट्टियां बिताने के बाद खोपोली रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे थे। रिक्शा चालक ने बोर घाट में सायमल के पास एक खड़ी ढलान पर नियंत्रण खो दिया और रिक्शा पलट गया। उसी दौरान बस नँबर (एमएच-04-जी-9925) खोपोली से पुणे जा रहा था, ने रिक्शा को चालक की साइड को टक्कर मार दी।

यह हादसा इतना गंभीर था कि 26 वर्षीय कुमार गौरव गौतम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 27 वर्षीय असीमंजय त्रिपाठी की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। हादसे में राघवेंद्र राठौड़, सौरभ पाठक घायल हुए हैं। रिक्शा चालक किरण वाघमारे मामूली रूप से घायल हैं। यह भयानक हादसा खोपोली पुलिस स्टेशन की सीमा में हुआ। हादसे के शिकार लोगों की मदद के लिए सहायक पुलिस निरीक्षक हरीश कालसेकर और उनके कर्मचारी और सामाजिक संगठनों के सदस्य मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम लग गया।

ट्रैफिक पुलिस बोर घाट डिवीजन के पुलिस सब-इंस्पेक्टर अनिल शिंदे और डेल्टा फोर्स के कर्मियों ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को एक तरफ ले जाकर ट्रैफिक जाम को हटाया। हादसे में घायल राघवेंद्र राठौड़ और सौरभ पाठक पश्चिम मध्य रेलवे में सहायक लोको पायलट के पद पर कार्यरत हैं। जबकि कुमार गौरव गौतम और असीमंजय त्रिपाठी भी पश्चिम मध्य रेलवे में सहायक लोको पायलट के रूप में कार्यरत थे। रिक्शा चालक लोनावाला का रहने वाला है और खोपोली नगर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। खोपोली पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक शिरीष पवार के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक हरीश कालसेकर दुर्घटना की जांच कर रहे हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com